प्रश्न-1 यद्यपि चर्च में आंतरिक सुधार की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी थी, फिर भी प्रोटेस्टेंट आंदोलन धर्म सुधार आंदोलन की बड़ी जरूरत माना जाता है। इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

- चर्च की आंतरिक सुधार एवं प्रोटेस्टेंट आंदोलन की आवश्यकता पर चर्चा करें और संक्षिप्तत: इसकी जरूरत को दर्शाएं

विषय वस्तु के लिए निम्न बातों पर चर्चा करें-

- **प्रथम पैरा में**
  - ⇨ धर्म सुधार आंदोलन के उग्रतम रूप में प्रोटेस्टेंट आंदोलन की चर्चा करें।
  - ⇨ हालांकि चर्च व्यवस्था में सुधार भी शुरू हो चुका था मगर इनका उद्देश्य चर्च व्यवस्था को बनाएं रखते हुए उसमें सुधार करना था।
  - ⇨ प्रोटेस्टेंट आंदोलन ने रोमन कैथोलिक चर्च की एकता पर प्रहार किया।
- **द्वितीय पैरा में**
  - ⇨ प्रोटेस्टेंट आंदोलन के लिए धार्मिक कारण भी थे मगर गौर से देखते हैं तो आर्थिक एवं राजनीतिक कारण ने प्रोटेस्टेंट आंदोलन को और भी आवश्यक बना दिया।
  - ⇨ उन्नत व्यापार, राष्ट्रवाद की चेतना आ रही थी फिर भी पूरा यूरोप रोमन कैथोलिक चर्च के अंतर्गत कैदी की हैसियत में था।

समालोचनात्मक परीक्षण करना है इसलिए विपक्ष में भी तर्क दें-

- ⇨ प्रोटेस्टेंट आंदोलन न भी हुआ होता तो भी चर्च अपनी बुराइयों को दूर कर लेता मगर प्रोटेस्टेंट आंदोलन ने इसको शीघ्र अवश्य कर दिया।

निष्कर्ष (संक्षिप्त व संतुलित दें)

- अंत में संक्षिप्त एवं संतुलित निष्कर्ष दें।

प्रश्न-2 यूरोप में राष्ट्रीय राज्य के उद्भव के लिये वेस्टफेलिया की संधि के महत्व को स्पष्ट कीजिये।
(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

- वेस्टफेलिया की संधि को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में दर्शाएं और जिन संदर्भों में संधि हुई उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

विषय वस्तु के लिए निम्न बातों पर चर्चा करें-

संधि की मुख्य बातों को लिखे और साथ ही उनका महत्त्व बताते चलें।

- शक्ति संतुलन
- सीमांकन
- प्रथम स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की शुरूआत, स्वतंत्र विदेश नीति तथा कूटनीति परंपरा की शुरूआत
- समानता की भावना

पैरा बदलकर उपरोक्त बिंदुओं का महत्त्व लिखें

निष्कर्ष

संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।

प्रश्न-3 ''यूरोप में राष्ट्रीय राज्य के उद्भव में राजतंत्र की अहम भूमिका रही थी।'' इस कथन का परीक्षण कीजिये। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

- राष्ट्रीय राज्य का उद्भव एक जटिल प्रक्रिया का परिणाम था। इसके लिए अनेक कारक उत्तरदायी रहे वस्तुत: राजतंत्र इसमें सहयोगी की भूमिका में रहा ये दर्शाएं

विषय वस्तु के लिए निम्न बातों पर चर्चा करें-

- **प्रथम पैरा में**
  - ⇨ महययुगीन संस्थाएं जो राष्ट्र राज्य के उद्भव में बाधक थी उनकी संक्षिप्त चर्चा करें। सामंती व्यवस्था, चर्च, पवित्र रोमन साम्राज्य आदि का विघटन आवश्यक था।
  - ⇨ राजतंत्र द्वारा वाणिज्यवाद को मजबूती देकर राजतंत्र को मजबूत आर्थिक आधार दिया जिसके बल पर सेना व स्वतंत्र नौकरशाही का गठन संभव हुआ।
  - ⇨ प्रोटेस्टेट आंदोलन में सहयोग
  - ⇨ चर्च के पतन में सहयोग दिया
- **द्वितीय पैरा में**
  - ⇨ राजतंत्र ने वेस्टफेलिया की संधि से लाभ लेकर और मध्य वर्ग को सहयोग देकर तत्कालीन परिस्थितियों से लाभ उठाया। सामंती पतन के दौर में स्वयं को मजबूत बनाया जिससे राष्ट्रीय राज्य का उद्भव संभव हुआ।

निष्कर्ष (संक्षिप्त व संतुलित दें)

- संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।

प्रश्न-4 पुनर्जागरण यदि आधुनिक यूरोप के वैचारिक विकास का प्रथम पड़ाव है तो प्रबोधन दूसरा पड़ाव। स्पष्ट कीजिये। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

- पुनर्जागरण को एक खोजी मनोदशा बताएं और प्रबोधन को उसकी तार्किक परिणति बताएं।

विषय वस्तु के लिए निम्न बातों पर चर्चा करें-

- **प्रथम पैरा में**

  पुर्नजागरण के दौरान हुई मुख्य-मुख्य बातों को स्पष्ट लिखें जिनमें-

  ⇨ वैचारिक बदलाव, साहसिक मनोभाव को प्रोत्साहन, मानववाद पर बल

  ⇨ पुर्नजागरण के पूर्व की स्थिति और बदलाव की तुलना करते हुए बताएं कि पुर्नजागरण ने ज्ञान पिपासा पैदा की, तर्क को प्रतिष्ठित किया

  ⇨ विचार-स्वातंत्र्य को आगे बढ़ाया और नैतिकवाद का मार्ग प्रशस्त किया।

- **द्वितीय पैरा में**

  ⇨ पुर्नजागरण ने जो विचारधारा के स्तर पर काम किया प्रबोधन ने उसे सिद्ध कर दिया। इन बिंदुओं पर चर्चा करें

  - वैज्ञानिक दृष्टिकोण
  - दार्शनिकों की भूमिका
  - प्रबोधन के राजनीतिक व आर्थिक पहलू
  - धार्मिक पहलू पर चर्चा करें तथा इसे धर्मनिरपेक्ष बताएं

निष्कर्ष (संक्षिप्त व संतुलित दें)

- संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।